महाराणा प्रताप महाविद्यालय
26-5-23
ग्रन्थालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

खण्ड–अ (व्याख्यात्मक)
Section-A (Descriptive)

For Office Use Only

SAN 203
B.A. IVth SEMESTER EXAMINATION, 2023
SANSKRIT
(काव्यशास्त्र)
(CBCS Mode)

Important Instruction :	महत्वपूर्ण निर्देश :
The question paper is in two sections : Section-A (Descriptive) will be of 15 marks and Section-B (Objective) will be of 60 marks. Section-A will be deposited at the end of the examination and answer sheet (OMR) of Section-B will be deposited.	**प्रश्न पत्र दो भागो में है : खण्ड–अ (व्याख्यात्मक) 15 अंकों का होगा एवं खण्ड–ब (बहुविकल्पीय) 60 अंक का होगा।** खण्ड–अ परीक्षा के अन्त में जमा कर लिया जायेगा एवं खण्ड–ब का उत्तर पत्रिका (OMR) जमा होगा।

अनुक्रमांक (अंकों में) / Roll No. (In Figures) :

①	①	①	①	①	①	①	①	①	①	①	①	①	①	①
②	②	②	②	②	②	②	②	②	②	②	②	②	②	②
③	③	③	③	③	③	③	③	③	③	③	③	③	③	③
④	④	④	④	④	④	④	④	④	④	④	④	④	④	④
⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤
⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥
⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦
⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧
⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨
⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪

Time : 1 Hour
समय : 1 घण्टा

Max. Marks : 15
अधिकतम अंक : 15

3016

अनुक्रमांक (शब्दों में) : _____

Roll No. (In Words) : _____

अभ्यर्थी का नाम : _____

Student Name : _____

पिता का नाम : _____

Father Name : _____

कक्ष परिप्रेक्षक के हस्ताक्षर / Invigilator's Signature : _____

Note : (i) Total No. of Questions are **Six**.
(ii) **Answer Three** questions in all.
(iii) All Questions carry equal marks.

नोट : (i) कुल **छः** प्रश्न दिए गये हैं।
(ii) किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. आचार्य विश्वनाथ प्रतिपादित काव्य प्रयोजन का वर्णन कीजिए। 05

2. अधोलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए– 05

शरदिन्दुसुन्दररूचिश्चेतसि सा में गिरां देवी।

अपहृत्य तमः सन्ततमर्धानखिलान् प्रकाशयतु।।

3. अधोलिखित छन्दों की सोदाहरण लक्षण लिखिए– 05

(क) आर्या

(ख) अनुष्टुप्

4. अधोलिखित अलंकारों का लक्षण सहित उदाहरण दीजिए– 05

(क) अनुप्रास

(ख) उपमा

5. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 05

6. पं० राज जगन्नाथ का परिचय अपने शब्दों में लिखिए। 05

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
26-5-23
ग्रन्थालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

खण्ड–ब (बहुविकल्पीय)
Section-B (Objective)

SAN 203
B.A. IVth SEMESTER EXAMINATION, 2023
SANSKRIT
(काव्यशास्त्र)
(CBCS Mode)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : _____

Paper ID
(To be filled in the OMR Sheet)

3016

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures) : | | | | | | | | | | | | | | | |

अनुक्रमांक (शब्दों में) : _____

Roll No. (In Words) : _____

Time : 1 Hour
समय : 1 घण्टा

Max. Marks : 60
अधिकतम अंक : 60

नोट : पुस्तिका में 40 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the OMR answer sheet at the end and nowhere else.
2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।
2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

1. 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' लक्षण है:

(A) दण्डी का

(B) कुन्तक का

(C) भामह का

(D) विश्वनाथ का

2. 'दशकुमारचरितम्' के लेखक हैं–

(A) दण्डी

(B) मम्मट

(C) विश्वनाथ

(D) जगन्नाथ

3. 'काव्यादर्श' ग्रन्थ है–

(A) नाट्यशास्त्र का

(B) काव्यशास्त्र का

(C) व्याकरणशास्त्र का

(D) इनमें से कोई नहीं

4. वामन का काव्य लक्षण है–

(A) ध्वनिरात्मा काव्यस्य

(B) रीतिरात्मा काव्यस्य

(C) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्

(D) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणाऽनलङ्कृती पुनः क्वापि

5. 'वामन' आचार्य हैं–

(A) अलङ्कार सम्प्रदाय के

(B) रस सम्प्रदाय के

(C) ध्वनि सम्प्रदाय के

(D) रीति सम्प्रदाय के

6. 'ध्वन्यालोक' ग्रन्थ के लेखक हैं–

(A) मम्मट

(B) विश्वनाथ

(C) आनन्दवर्धन

(D) जगन्नाथ

7. 'ध्वनिरात्मा काव्यस्य' लक्षण है–

(A) आनन्दवर्धन का

(B) मम्मट का

(C) विश्वनाथ का

(D) दण्डी का

8. 'काव्यशोभाकरान् धर्मान् अलङ्कारान् प्रचक्षते' लक्षण है–

(A) कुन्तक का

(B) दण्डी का

(C) वामन का

(D) भामह का

9. 'काव्यप्रकाश' के लेखक हैं–

(A) कुन्तक

(B) मम्मट

(C) जगन्नाथ

(D) वामन

10. मम्मट आचार्य हैं–

(A) अलङ्कार सम्प्रदाय के

(B) ध्वनि सम्प्रदाय के

(C) औचित्य सम्प्रदाय के

(D) वक्रोक्ति सम्प्रदाय के

11. मम्मट का काव्य लक्षण है–

(A) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्

(B) शरीरं तावदिष्टार्थव्यव छिन्ना पदावली काव्यम्

(C) रमणीयार्थ प्रतिपादिकः शब्दः काव्यम्

(D) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनःक्वापि

12. 'वक्रोक्तिजीवितम्' ग्रंथ के लेखक हैं–

(A) कुन्तक

(B) मम्मट

(C) क्षेमेन्द्र

(D) महिम भट्ट

13. 'औचित्य सम्प्रदाय' के आचार्य हैं–

(A) दण्डी

(B) वामन

(C) क्षेमेन्द्र

(D) कुन्तक

14. 'साहित्यदर्पण' ग्रंथ के लेखक हैं–

(A) मम्मट

(B) विश्वनाथ

(C) जगन्नाथ

(D) वाग्भट्

15. आचार्य विश्वनाथ ने काव्य की आत्मा स्वीकार किया है–

(A) अलङ्कार को

(B) रस को

(C) गुण को

(D) रीति को

16. आनन्दवर्धन ने ध्वनि के भेद स्वीकार किए हैं–

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

17. बिना कारण के कार्य होने पर होता है–

(A) उपमा

(B) दीपक

(C) विभावना

(D) विशेषोक्ति

18. कारणों के रहने पर भी कार्य न होना है–

(A) विशेषोक्ति

(B) विभावना

(C) यमक

(D) श्लेष

19. आचार्य विश्वनाथ ने मुख्य रूप से काव्य लक्षण का खण्डन किया है–

(A) जगन्नाथ के

(B) वामन के

(C) भामह के

(D) मम्मट के

20. आचार्य विश्वनाथ ने उल्लेख नहीं किया है–

(A) मम्मट का

(B) आनन्दवर्धन का

(C) कुन्तक का

(D) हेमचन्द्र का

21. 'धर्मार्थिकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च। करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्यनिबन्धनम्'।। उपर्युक्त प्रयोजन है–

(A) मम्मट के मत से

(B) विश्वनाथ के मत से

(C) भामह के मत से

(D) कुन्तक के मत से

22. 'धर्मादिसाधनोपायः सुकुमारमकमोदितः' उपर्युक्त प्रयोजन है–

(A) दण्डी के मत में

(B) कुन्तक के मत में

(C) मम्मट के मत में

(D) इनमें से कोई नहीं

23. 'काव्यालंकार' ग्रन्थ है–

(A) दण्डी का

(B) रूद्रट का

(C) मम्मट का

(D) विश्वनाथ का

24. भरतमुनि हैं–

(A) रस सम्प्रदाय के

(B) अलङ्कार सम्प्रदाय के

(C) ध्वनि सम्प्रदाय के

(D) रीति सम्प्रदाय के

25. दोष के प्रकार हैं–

(A) नित्य

(B) अनित्य

(C) उपर्युक्त दोनों

(D) कोई नहीं

26. आचार्य विश्वनाथ ने काव्य में अलङ्कारों की स्थिति माना है–

(A) शौर्यादिवत्

(B) आत्मवत्

(C) कटककुण्डलादिवत्

(D) अवयवसंस्थानविशेषवत्

27. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार गुण रस के होते हैं:

(A) अन्वयव्यतिरेकि

(B) निषेधात्मक

(C) वियोगात्मक

(D) इनमें से कोई नहीं

28. आचार्य विश्वनाथ ने वक्रोक्ति को माना है–

(A) काव्य की आत्मा

(B) अलंकार

(C) गुण

(D) रीति

29. काव्य के प्रयोजन में नहीं है–

(A) पुरूषार्थ सिद्धि

(B) प्रवृत्ति–निवृत्ति

(C) आह्लादकारकत्व

(D) असद्प्रवृत्ति

30. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार काव्य का स्वरूप है–

(A) रमणीयार्थ प्रतिपादिकः शब्दः काव्यम्

(B) रीतिरात्मा काव्यस्य

(C) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्

(D) धनिरात्मा काव्यस्य

31. विश्वनाथ के अनुसार काव्य के अपकर्ष कारक हैं–

(A) अलंकार

(B) दोष

(C) गुण

(D) रीति

32. इन्द्रवज्रा के प्रत्येक चरण में होते हैं–

(A) 11 वर्ण

(B) 19 वर्ण

(C) 9 वर्ण

(D) 12 वर्ण

33. इन्द्रवज्रा और उपेन्द्रवज्रा के संयोग से बनता है–

(A) शिखरिणी छन्द

(B) मालिनी छन्द

(C) उपजाति छन्द

(D) द्रुतविलम्बित छन्द

34. शिखरिणी छन्द के प्रत्येक चरण में होते हैं–

(A) 12 अक्षर

(B) 14 अक्षर

(C) 16 अक्षर

(D) 17 अक्षर

35. चार, छह एवं सात वर्णों पर यति वाला छन्द है–

(A) स्रग्धरा

(B) मन्दाक्रान्ता

(C) भुजङ्गप्रयात

(D) उपजाति

36. मालिनी छन्द का लक्षण है–

(A) ननभयययुतेयं मालिनी भोगिलौकैः।

(B) स्यादिन्द्र वज्रा यदि तौ जगौ गः।

(C) उपर्युक्त दोनों

(D) कोई नहीं

37. अलंकारों की जननी कहा गया है–

(A) रूपक को

(B) निर्दशना को

(C) उपमा को

(D) यमक को

38. 'शब्दपरिवृत्त्यसहत्व' होते हैं–

(A) उपमा अलंकार

(B) अर्थालंकार

(C) शब्दालंकार

(D) इनमें से कोई नहीं

39. आचार्य भरत ने अलंकारों की संख्या मानी है–

(A) 4

(B) 6

(C) 8

(D) 10

40. 'नवपलाशपलाशवनं पुरःस्फुटपरागपरागत पङ्कजम्'

उपर्युक्त श्लोक में अलङ्कार है–

(A) उपमा

(B) अनुप्रास

(C) श्लेष

(D) यमक

*****